

ॐ ह्रीं नमो भगवते
ॐ नमो भगवते

ॐ नमो भगवते

ॐ नमो भगवते

ॐ नमो भगवते

ॐ नमो भगवते

ॐ नमो भगवते

ॐ नमो भगवते

ॐ नमो भगवते

ॐ नमो भगवते

ॐ नमो भगवते

ॐ नमो भगवते

ॐ नमो भगवते

ASHA ARCHIVE

ॐ नमो भगवते

2703 I

175
Sikha prava
Vidhi

रामसिद्धि वना

ॐ नमः ४ जीवक सत्याय ॥ विहाय यद्यदवाप्तयादे ॥ रामसिद्धि वना ॥
गुप्तमल्लना ॥ दग्गल्लिथनि वडाव ॥ कल्लसिद्धि वना ॥ निसमाधि
वना ॥ दवहमी स्थ वनाय यथायस ॥ अहदल्ल वना ॥ जाया
य ॥ नंगाऊन ॥ मगद ॥ गालया ॥ नदन ॥ आन ॥ उवहवा म
सुचया विहाय ॥ सवका वददं काव नय विवि न्यागू ल्यागुल्ल रामस

रामसिद्धि

मिः रुने सुद्ध निरुद्ध काव कि ह्यसंवाद नाइलि नस्स नस लवयं ॥ य
थिवी दव नाया सह कीर नायी नासासां ॥ सिंगा मव वयो ॥ विवि नाह व नर
विना गट्टी नक नक रुड यट्ट वाम नवक वदया ॥ मक वका विहाय ॥
नन ४ गाथा नियथेन ॥ ऊऊमानं स्नान कं ऊन कं न ॥ लवदवी ज्ञाकि
रनासिः सर्व दूद्वान नायिना ॥ यथा नय विहाय ॥ रामिया लसि ना

सूत्र॥ मातृमन्त्रयथा रघुः शक्रसिंहनगायिनां सर्वसिद्धियुद्धयथां वः
होवकल्ययाम्हा ॥ ३ ॥ धननाकल्यहा ॥ स्वनामय ॥ उं नृप्रयुधि
वीयस्वाहा ॥ धवनीयस्वाहा ॥ धवनीयस्वाहा ॥ नावनीयस्वाहा ॥
उं यथिवीलाकमागुस्वाहा ॥ यं यथाहाय यजामुनि ॥ उं धवनीप्र
धनीप्रधनीप्रनासद्योवकीलकावः स्वयिना ४ यथासनीमहादवीः यः

खट्व १० दं १२ दं

धिवीदवीनमसुने ॥ ॥ धननामद्यदिउयडाकयित्वा ॥ ॐ ॥ ऊ ऊ
मानकैलाठ ठनकं ॥ यनगययय ॥ यथादकू प्रददवीः त्वानमस्या
मिसर्व ४ विहाय स्थाययिथ्यामप्रतनयनिवासय ॥ उं हं हं हं स्वाहा ॥ ६
ॐ गिरमिजायनामकु ॥ धनमूद्य ॥ मकु ॥ उं नदीमहादवीयथिवी
लाकमागवीः सर्ववत्संयहृदिद्यालकालस्वयिने ॥ होवनाययानिनाः

श्री कान्तः साधु प्रजा

दिनं वज्रसत्त्वययकिं न ॥ ०० दं शुद्धं गृहीत्वा ययकर्मसमाधय ४२ ॥
श्री श्री हं दुःखादा ॥ ययकायदाययका मुनि ॥ ॥ धयनीकावनी
यादि x ॥ धनरुमिकुमायन ॥ याकयका ॥ दंगुलिवलि ॥ स्थानना
न ॥ गययका ॥ कुमायन ॥ अरिषक ॥ आभिर्वाद ॥ सलमन ॥ समय ॥
यानादिवलिकाय ॥ गनयक ॥ ०० निरुक्तिकरुमिष्मधनविधि ॥

श्री सांके मयमस नरु पता ५३

२५ कथं ८९ पूय उजकृष्णकाः दं वा वंदा. का ८१ वाहो स्वां पूरा ता ध जा कि कथपति
नगरुमियाठनमाह ॥ गुयमहय. दगुयी. कंशायन ॥ निसमा
प्रियायत्वं धूडाव ॥ ^{गुरु कान्त माहि} धननुकादसियन ॥ कययवद्वाद्गुयस्थाननः
धनकमानकधननुकासिय जायाय ॥ जाय ॥ धूय ॥ नयाऊन ॥
आकर्षण ॥ यायायकासुनि ॥ दङ्गुलउयधायय ७ ॥ सनाकययथि
त्वा ॥ ॥ धनउक्तिरुवलिदिय ॥ निसमाधियायत्वं धूनडाव ॥

पृष्ठ ०८० शिवादि

बलिमजाय ॥ ध्रुव ॥ ध्यान ॥ उं स्वरावगुह्यसर्वधर्मास्वरावगुह्यः
 दा ॥ रुं गुह्यनास्नानवक्तुस्वरावात्मकोरुं गुह्यविहारा ॥ उं आ ४ रुं डी म
 न जी जी उक्ति रुदवनामात्मानं रावय ॥ आकर्ष ॥ स्नानवाय ॥
 उं उक्ति शय स्वाहा ३ उं निष्ठावर्तवय स्वाहा ॥ उं कृत् २ वं नायीय स्वा
 हा ॥ उं महाव नायीय स्वाहा ॥ उं आवाहनीय स्वाहा ॥ उं महावाह

नाय स्वाहा ॥ उं सनाय कृमिय स्वाहा ॥ उं रुद्रकायीय स्वाहा ॥ उं महाकायी
 य स्वाहा ॥ उं रुं उक्ति रुदवो रुं रुं रुं स्वाहा ॥ यक्षाय हावयूक्षा मुनि ॥ ० ॥
 उं उक्ति शयनममर्त्य ॥ उक्ति शयनमानम ४ ॥ उं रुद्रकाली महाली उक्ति
 शयनममर्त्य ॥ ० ॥ ॥ थनवलिसर्वस्वहाय कं न ॥ ० ॥ उं उक्ति शवलिनं
 गृहं १ यिव २ रुं ३ १ समयवक्तु १ मम सर्वसत्त्वानां सर्वसिद्धिय

उं रुद्रकायीय स्वाहा ॥

यकुरुहंरुट् २ स्वाहा ॥ २५ ॥ उं कृत् २ वं नालीमहावं नाली ॥ उं आ
वाहनीयमहावाहनीय ॥ ससिद्धसमयगहकायरीनीजिला ॥ स्याय
कसिमहाकसि ॥ हं दीहं आकलय २ ५ ४ हं वं हा हडकालीमहाली ॥ २
कृ २ ज ३ दी ३ हं महासमयवर्लि गट् २ हं रुट् स्वाहा ॥ थनदं गुलिव
सि ॥ सुवर्ण कृपियूजा ॥ धालिकर्मकावयां कनायाय ॥ अधिष्ठा

नया ॥ थननूलाउसवकनयिसावा ॥ ० ॥ मनु ॥ वजयकृहं ३
० ॥ विमनु न अधिष्ठान ॥ थनहाथयूजायाय ॥ सुवर्ण दक्षिणासही न
नसंस्तु नयाय ॥ सुवर्ण आय कलिलवहाय ॥ शमिद्या ननयायक ॥
यथमस ॥ अग्रकानस ॥ द्रवस्वसंयायक ॥ मनु उं क क क दन ॥
उं व व व धन ॥ दक्षिणस्वसं ॥ उं स्वस्वस्व लुन ॥ युक्तिमस्वसं ॥

डंयद्यद्यागय ॥ उरुवस्वस्यं ॥ धनमध्यास ॥ यथावयावक ॥ यद्वस्वय
नव ॥ उगवस्वयंनव ॥ समरवनंनव ॥ मनु ॥ डंयागय २स्वयाया
ननाजयहंरुट्साहा ॥ थ्यासकयंउक्किवलिमन ॥ धनकुवहाः
यकं ॥ स्वाहमेथाययय ॥ धनस्वानमान ॥ गुयूजा ॥ दकुष्मः
कुमायन ॥ वलिकुय ॥ द्यावहायकवहाय ॥ दसयवाक ॥
ॐ नमो दिव्य

धनद्रयायाआसनसंविद्राय ॥ वाकुयूजा ॥ दगुलिवलिविय ॥
स्वानननक ॥ गुयूजा ॥ दकुष्म ॥ कुमायन ॥ अरिषक ॥ आसिवा
प्रगन ॥ समय ॥ अननकय ॥ गनयकु ॥ ॐ नितिरुमिद्यानकविधि
नगयादसायनविधिमाह ॥ आदोकलज्जावेधनडाव ॥ यस्त्वयम
हनाहनिस्वधूनडाव ॥ अगयादायादाथय ॥ अयदययासंथा
अनहापाइहापनन गजनिरुयाघट अगयादकन कनसयाविहाद

नमो नमो नमो
नमो नमो नमो

यंगुः सिगनित्रादिउयटांयय ७॥ यक्षयहाययजायाय ॥ ॥ थनक
लमिहाययजा ॥ लंखनहाय ॥ ससिकयोंसं ॥ हाथयजा ॥ उकुस ॥
सानः दकुस ॥ अगयालवहासंसुनक ॥ रकिहावहन ००० का
नां ॥ यूवीनगागकला ॥ अगयादिः नस्यः वायुः ००० गनस्यस्ययय
न ॥ कथन ॥ मक्षस ॥ यंक्वीहिनः यूययडाहाययन ॥ उययिसुव
व्या कावने

लुक्लमथयनयं ७॥ अगयादिनका नयानं ॥ ययथयना ॥ ययस्थन
यंयमन ॥ यंयगन्ध ॥ याधाय ॥ यय ॥ यूयुयाठन ॥ यययानांखान
यमाय ॥ थनदिगलिनय ॥ मक्षस ॥ हय ॥ ययस ॥ निव ॥ दकि
ययय ॥ यकिम ॥ ययय ॥ उकु मय ॥ थनश्चिस्सनमनु ॥ ५
उंकययकह ३ धाय १०७।१।५। ३ ॥ उयनथययश्चिस्सनया

या॥ अर्यादिकानयनि॥ ॥ हना शायन० वक्रवक्रासुडामनुनः
श्रुतिस्मानयाय॥ उ० वक्रवक्रदृष्टामनुवक्र२ सर्वानस्याह॥ ०० नि
स्यक्यानु॥ यनवक्रनयि॥ उ० सर्वनथागना४ सर्वदृष्टालय०
विस्तिथनुकृसाह॥ ०० निमनुनवजनश्रुतिस्मान॥ थनकसुसु
लनाश्रुति॥ यजासुनि॥ दक्षवक्राथयक॥ थनकलक्ष

रुद्रमात श्रुतिपाठकी दृष्टास्यनके पृष्ठायाय ० आरुति
वनिथदक्षिणायादय॥ ॥ दवनाहनिविथ॥ यथा
उ० पृष्ठा हनयस्याह॥ थनदिगवलि॥ महावक्रविथि॥ ॥ य० अहनि॥
॥ य० अविनकायविथि॥ यक्रय० ॥ दगुववि ॥ खानगान॥ गुर
य० ॥ दक्रमा ॥ क्रमायन॥ श्रुति० ॥ आजीवाद॥ सग्वन॥
समय॥ ॥ अ० अहनि॥ विसर्जन॥ ०० निमनुनयथादहायनविथि॥

संस्कृत काविकर्तृकृतं श्रीशिवमणि

ॐ नमोऽशीवज्रत्वाय ॥ वल्लभासविधि ॥ नक्षत्रं गुह्यमस्तु ॥ दंष्ट्राय ॥ क
 सायन ॥ ध्यानधूत ॥ अग्न्यायं रुद्रं ह्यनाहं विना धनकं ॥ धनः
 लिवा वल्लभाजयसुख ॥ ॐ नमो वृद्धाय ॥ वल्लभिलयां कृद
 यन ॥ सयवन्नजिला यिष्ठिकायसाक्षं ॥ नियताधिकं दंष्ट्रल
 यमोत्तयवृत्तमा ॥ ॥ वनोदमजिलायवन्नविन्यस्य ॥ गथादश
 या चैत्यनल्लहासयानादि ॥

ॐ नमोऽशीवज्रत्वाय ॥ ॥ १०८ ॥ आपया ३

कोशकानिखानयन ॥ ॥ वनदेवमन्ययांस ल्यकोशकं ॥
 वंश वयन अकष्टकिलि हाकृदियनि शीखठ मयात्रिरययमं
 सखधुसिंह ॥ वडयात्रि वडंससहाययं ॥ हव ॥ ॥ मने ॥ शाकलेन
 स्थानवाय ॥ ॐ वरु धागवनमसहाहा ॥ ॐ वरु यरुद्र ३ वरु ययययिह
 स्वाहा ॥ यकासुनि ॥ ॐ सर्वयायीरुवा गम्यसुगनाधियनजिन

हिन ९

श्रीशिवमणि
 वल्लभासविधि

सा १०८ आ २

५१०६ ना २

पञ्चमोग

यद्गृहं ३॥ यद्वासुनि॥ उं नुवगमनसस्वनं नयकायनसत्तिरं वव
दायत्तसन्धायवत्तं ज्ञायनमोसुने ॥ अयुगन्धं ००॥ ह्यादि॥ इयमिगन
यसकायक॥ आइहास हिगुयि अइन् कयवाहं मययि वययय
नइययिसवहं मययं नइययि यमवागं संहाया ॥ ^{ले आसुया} माने ॥ समु ॥
मंजोमंजो ॥ ००॥ यननाशाकवहनवायं ययिजयन् ॥ अ स्वनवाय ॥

आ १०६ का

मन्त्र

उं अमिगारयस्वाहा ॥ उं वज्रयद्गृहं ३॥ यद्वासुनि ॥ उं वक्रवहं
महानजं मयवाययिससि नं ध्यानमदाधवं निर्य अमिगारयनमा
सुनं ॥ ७ ॥ उं वक्रवहं ॥ मास निवाथयि हाक् अरवावनिहा
जीवानां मययि वययययः नइययिसवहं गवृत् नइययिसवकनसथा
यय ॥ मल मल ॥ ००॥ ४४४ ००॥ यननाशाकवहनवायं ययिजयन्

लु मन्त्र

श्री स्नानवाच ॥ उं श्रीमांघासिद्धिं यस्मात् ॥ उं वज्रयक्रुहं ३ ॥ यजामु
नि ॥ उं श्यामवर्णयलादियि गव्यजयत्रिसिद्धिं । वज्रयष्टध्व
श्रीमान् श्रीमांघासिद्धिं नमास्तुते ॥ ७ ॥ नक्षत्रियून यष्टं लयहम्
वज्रजान् भुज्जनरुलिस्नानह भुग्वि मयवि सर्व्वयज्ञं नक्षत्रियैर्
संस्तुय ॥ संस्तु ॥ मन्त्र ॥ उं वज्रवज्रिनिहं ॥ ॐ नमो नक्षत्रज

संस्तु

नक्षत्रयत्रिजयन ॥ श्री स्नानवाच ॥ उं वज्रसत्त्वहं । उं वज्रयक्रु
हं ३ ॥ यजामुनि ॥ उं वज्रसत्त्वमहासत्त्व वज्रयष्टध्वजामहान्
जनकसर्व्वसत्त्वानां वज्रसत्त्वाय नमः ॥ अस्तु गन्धर्व्व्यादि ॥ ८ ॥
॥ दक्षिण ॥ मूर्ग बीनि यालीउवनि वालना मयवि सर्व्वयज्ञं
नक्षत्रियैर्व्व्यायज्ञं वा जावक्रुहं संस्तुय ॥ वावन ॥ मन्त्र ॥ उं व

मो ३१७

मस्तुतं ॥ अष्टगन्ध ०० यादि ॥ १३ ॥ सर्वव्यामूयविनामयका
या सिद्धययानिनयय ॥ ^{लोथयेता} स्यान्वाक्यननं ॥ यननीखवखनहाय
कणवखनहाय । वजननाय ॥ मनु । उं शहं ३ ॥ यनननन
न । मनरुः नावगा म्मननना ॥ शक्येन ॥ स्यान्वाय
शयिवनायादि ॥ यजामुनि ॥ यंयव्वायादि ॥ ऊव

मायादि॥ धनदवनाहंनि ॥ ॐ निवृत्तन्यासादि॥ ॥

नश्यदिसुवर्णदियनं यशिकामलं विषय ॥ नं कालं शुक्राक्षालं
वर्कं नश्यदिसु कावर्जं विश्वदयत्रं नश्यदिउं कावर्जयदुमल्लं
नश्यदिजाकावर्जं यवमायधी ४ स्वरुवां यशिकाविराया ॥ नत्समस्त
नस्त्वस्वददिविज्रमयुषानीनं ननात्तराया ॥ ॥ धननथागना

दिकलंगजलनत्ररिषिय संयुक्त ॥ धनउउमाननयेयाथियकं
नं ॥ उं नमारुगनं वेवायनयर्कं नयाजायनथागनायाहक
सम्यकसंवद्धाय ॥ नद्यथा ॥ उं शुक्रं २ समय २ साकं २ समायाथनिला
लम्बं निवाकलं निवृत्तं यत्नरुवनिमदा नजं सर्वद्विप्रसिद्धं नं स्याह ॥
॥ धयुजाय ॥ अननमनं कावेजा निवायानयायिज्यय ॥ ॐ निवृत्तन्यासादि
का
धन

॥ उं धर्मप्राप्तुं गुरुं स्वाहा ॥ २४ ॥ ॐ निसर्गनाशं कुरु वज्रनवाययत्री
त्रयं ॥ ॐ नियाशिकास्त्रायन ॥ धनविजयदाय ॥ ॥ नानानिष्ठान
धर्मप्राप्तुं वज्रसत्त्वाहं कावचानायाय ४ यथांककमहायेयु गुरुव
जपानुमल्लं विरुवा ॥ ॥ यद्वयन ॥ ॥ यजामुनि ॥
धनदिगवधि ॥ महाबलि ॥ धनयष्टाहं नि ॥ वाक्वयज ॥
दग्धविबली ॥ स्थाननानं ॥ गुरुयज ॥ दक्षिण ॥ कृमायन ॥

शुद्धिषंक ॥ शशीव्रत ॥ स्याहं नि ॥ कृतिरुत्तम ॥ बलिधान
सकय ॥ कृष्णदाय ॥ दग्धिसमय ॥ शकुस ॥ समय ॥
कडगा ॥ गनयक ॥ ॥ ॐ निवन्वासयायवियानि गुरु ॥

रुधिरा-कासिप्यनृमय्यमृ३॥



उं नमो वृद्धाय॥ लानकं० ग्वस्तदागयकिरुसां० सुवनंदयक००३
नियन्ताथथका० लानकं० क्षागुदयक०० थथउनियन्ताथथका०
लानकं० वनदयक०० सुवस्तुननदयक०० यनउनिथका० ॥ लानकं०
युक्निधाय० यूरुदयक०० लानकं० उवधायायहिनि० दिविदय
क०० लानकं० स्यावयधाय रुधि० रुधिरदयक०० लानकं० क
यिधायययि० वयिदयक०० लानकं० रुवरादिदयक०० मउर
दि० रुवरादिदयक०० थगिरयक०० यन्ताथउनिथका०

(व्यक्रदानयनिं० रुक्मिण्यु० साध्याना० वेद्यथायना० यक्षस्थायनायना० विधि
 यनययनिमानिष्ट०॥ कल्यकल्यजनात्ययं० वक्रकुदवनासर्व० त्रिनि
 ग्निउववायव॥ यावत्संरुहिनादवा० यावद्दुर्गमहीगलं० यदाकृग
 गहायाव० नावहवनिनिश्चय॥ वक्रकुदवनासर्व० कृद्व्ययनिमायि
 य० कृद्वदानयनिमानिस्वस्मिन्सर्वदा॥ धीयांरुवशा० महा
 यूष०० द्यादिदवहसांविश्राया० ध्यायवाय० उमानक० द्रविवन० ससां
 यदकहू० दुर्क० ध्यायमानकहसांस्त्रिनिगय॥ दधिदात्रहसां० यहा

नः संसात्रयाः सुद्विपनि यत्र अः यत्र नासः यत्र सदिनि नय ॥ यात्र मठा न
यत्रा नकः वरुणा गवाजाः नागयात्रः यिधिदयं जत्र अनायायकः यत्र वरुनद
वनसंदिनि नय ॥ उद्विदिशम रुसां विद्या कषया अदव रुसा विज्ञा डावाः
यत्र अदवया रुसा ज्ञनं गहय इः यत्र गुरय ममात्रकः उगन सवि अडा नाः य
अदवनं सुदिनि नय ॥ यत्र ॥ मध्व रुसांः रुसात्रययव रुसांः यिधि
रुसांः यययायाजा यिधि इडावाः यययायाजाः कुरु ययय सवि यिधि
विज्ञाकः दिवाज रुवाः कुरु ययय सन यगाय विज्ञा ॥ यवाया

नकादसियुजायाय ॥ ध्ये ज्ञाय यंकरगवहाय ॥ नियाऊर कवसाविक
थनिश्चनकाव ॥ ध्यान स्नानवाय मन्त्र यद्वस ॐ नानकवनिश्च ॥
ॐ यभूदिनायनमस्वाहा ॥ ॐ विमलायनमस्वाहा ॥ ॐ यलकवियनमस्वाहा ॥ ॐ त्रिवि
सेनियनमस्वाहा ॥ ॐ सुदययायनमस्वाहा ॥ ॐ त्रैलोक्यीयनमस्वाहा ॥ ॐ इवम
मायनमस्वाहा ॥ ॐ त्रयवायनमस्वाहा ॥ ॐ साधूमनियनमस्वाहा ॥ ॐ धर्ममेवायनम
स्वाहा ॥ यथायहावयुजारुनि १० ॥ अष्टकननिश्च ॥ दकिन ॥ ॐ दानयनमस्वा
हा ॥ ॐ शीवायनमस्वाहा ॥ ॐ कार्कियनमस्वाहा ॥ ॐ विष्णुयनमस्वाहा ॥ ॐ ध्या

नयनमस्वाहा ॥ ॐ यल्लायनमस्वाहा ॥ ॐ उयायनमस्वाहा ॥ ॐ यनिधियनमस्वा
हा ॥ ॐ त्रैलोक्येलायनमस्वाहा ॥ ॐ स्नानगनमस्वाहा ॥ वज्रसूर्ययनिकस्वाहा ॥
॥ २० मन्त्रि ॥ ॐ त्रयवसिनायनमस्वाहा ॥ ॐ विरुवसिनायनमस्वा
हा ॥ ॐ यविकालवसिनायनमस्वाहा ॥ ॐ कर्मवसिनायनमस्वाहा ॥ ॐ उया
यविकवसिनायनमस्वाहा ॥ ॐ त्रैलोक्यवसिनायनमस्वाहा ॥ ॐ त्रिविवासिनायनम
स्वाहा ॥ ॐ यनिश्चानवसिनायनमस्वाहा ॥ ॐ स्नानवसिनायनमस्वाहा ॥ ॐ ध
मवसिनायनमस्वाहा ॥ मन्त्रि ३० ॥ ॐ वायव्यकननिश्च ॥ ॐ इव

उं वसु म न धाय नीय नम स्या हा ॥ उं व लो का धाय नीय नम स्या हा ॥ उं उ ष्ठि व धाय
 नीय नम स्या हा ॥ उं मा वि वि धाय नीय नम स्या हा ॥ उं य ह्नु स व यी धाय नम स्या हा ॥
 उं न न क म र वी य नम स्या हा ॥ उं ज्ञा गु धिय नम स्या हा ॥ उं वृ द्धा धाय नीय नम स्या हा
 ॥ उं य ह्ना व द्ध नीय नम स्या हा ॥ उं स र्व व द्ध का स व सि ना य नम स्या हा ॥ ४०
 य ज्ञा मु नि ॥ ^म सु ग ॥ थ न वि व न का दी सि य ज्ञा या य ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ
 उं व ज धा य नम स्या हा ॥ १ ^उ उं व ज व डि य नम स्या हा २ ॥ उं व न व डि य नम
^उ ^{रु} ^{वा}

नृका सि य ज्ञा मा र

^न द क्रि ३ ॥ उं ध र्मा व डि न नम स्या हा ॥ य क्रि म ४ ॥ उं क र्मा व डि नम स्या हा
 उ क्र ५ ॥ उं व ज ला स्य नम स्या हा ^य नृ य क्र ६ ॥ उं व ज मा ल्य नां स्या हा न र्क क्र ७
 ॥ उं व ज गी न नम स्या हा वा य क्र ८ ॥ उं व ज न न्य नम स्या हा ^न र्ग म क्र ९
 उं व ज स त्वा य नम स्या हा १० ॥ उं व ज रा ज्ञा य नम स्या हा ११ ॥ उं व ज
 वा ग्म य नम स्या हा १२ ॥ उं व ज सा ध्य नम स्या हा १३ ॥ उं व ज ग र
 य नम स्या हा १४ ॥ उं व ज नं जा य नम स्या हा १५ ॥ उं व ज क र वं नम स्या
 हा १६ ॥ उं व ज हा मा य नम स्या हा १७ ॥ उं व ज ध र्मा य नम स्या हा १८

॥ उँ वज्रश्यायनमस्तुहा १९ ॥ उँ वज्रहवननमस्तुहा २० ॥ उँ वज्रशरवा
यनमस्तुहा २१ ॥ उँ वज्रकर्महनमस्तुहा २२ ॥ उँ वज्रप्रकाशनमस्तुहा
२३ ॥ उँ वज्रकायनमस्तुहा २४ ॥ उँ वज्रसधयनमस्तुहा २५
॥ उँ वज्रश्यायनमस्तुहां अग्निकुक्कथा ३ ॥ उँ वज्रश्यायनमस्तुहां नैऋत्यकु
क्कथा ३२ ॥ उँ वज्रदीपनमस्तुहां वाय्वैकुक्कथा ३३ ॥ उँ ध्यानयनम
स्तुहां अग्निकुक्कथा ३४ ॥ उँ मेनीयहवनयनमस्तुहां अग्निकुक्कथा ३५

युक्कथा ३६ ॥ उँ औद्ययनमस्तुहां अग्निकुक्कथा ३७ ॥ उँ
उँ सर्वेश्वरयनमस्तुहां अग्निकुक्कथा ३८ ॥ ३९ ॥ उँ सर्वेश्वरयनमस्तुहां
यनमस्तुहां ॥ द्वात्रिंशत्कथायुक्कथा ४० ॥ अग्निकुक्कथा ४१ ॥ ४२ ॥ उँ गन्धर्व
श्यायनमस्तुहां अग्निकुक्कथा ४३ ॥ ४४ ॥ उँ गन्धर्वश्यायनमस्तुहां अग्निकुक्कथा
४५ ॥ उँ गगनगन्धर्वश्यायनमस्तुहां नैऋत्यकुक्कथा ४६ ॥ उँ हननकनकाय
नमस्तुहां नैऋत्यकुक्कथा ४७ ॥ उँ अमनयनमस्तुहां नैऋत्यकुक्कथा
४८ ॥ उँ वज्रश्यायनमस्तुहां अग्निकुक्कथा ४९ ॥ उँ वज्रश्यायनमस्तुहां अग्निकुक्कथा ५०

[illegible]

स्वाहा ॥ दक्षिणं ॥ मध्यः ॥ कृष्णार्धः ॥ ५१ ॥ उं वज्रं दायनमस्वाहा ॥
 यक्षिमसः ॥ मध्यः ॥ कृष्णार्धः ॥ ५२ ॥ उं वज्रं वंशायनमस्वाहा ॥ उक्तं ॥ मध्यः
 कृष्णार्धः ॥ ५३ ॥ उं वज्रं कायानमस्वाहा ॥ ॐ शक्रः ॥ उक्तं ॥ ३ ॥ १०
 ॥ उं वज्रं दक्षायनमस्वाहा ॥ श्रुत्यक्रः ॥ यक्षिम ॥ ३ ॥ ११ ॥ उं श्रुत्यवाजिनाय
 नमस्वाहा ॥ नैऋत्यक्रः ॥ दक्षिण ॥ ४ ॥ १२ ॥ उं वज्रं शिष्यायनमस्वा
 हा ॥ नैऋत्यक्रः ॥ यक्षिम ॥ ४ ॥ १३ ॥ उं वज्रं कलियनमस्वाहा ॥ ॐ श

कुनः उक्तं ५ ॥ १५ ॥ उं नलायनमस्तुलाः अस्तु कुनः पूर्व २ ॥ १६ ॥
उं वज्रकायनमस्तुलाः नैऋत्यकुनः दक्षिण ३ ॥ १७ ॥ उं वज्रसायन
मस्तुलाः वायव्यकुनः उक्तं २ ॥ १८ ॥ उं वज्रशिष्यनमस्तुलाः ॐ
ज्ञानकुः उक्तं २ ॥ १९ ॥ उं वज्रयातलयनमस्तुलाः अस्तु कुनः दक्षिण
२ ॥ २० ॥ उं उषीषवकायनमस्तुलाः ॐ अस्तु कुनः पूर्व २ ॥ २१ ॥ उं सूर्य
यनमस्तुलाः पूर्वः मध्य १ ॥ २२ ॥ उं श्रीनासवनमस्तुलाः उक्तं मध्य १२

उं अश्विनयनमस्तुलाः अस्तु कुनः दक्षिण ५ ॥ २३ ॥ उं वृद्धायनमस्तुलाः
अस्तु कुनः पूर्व ५ ॥ २४ ॥ उं अश्विनयनमस्तुलाः वायव्यकुनः यक्षि
म ५ ॥ २५ ॥ उं अश्विनयनमस्तुलाः वायव्यकुनः उक्तं ३ ॥ २६ ॥
उं अश्विनयनमस्तुलाः वायव्यकुनः यक्षिम २ ॥ २७ ॥ उं अश्विनयन
यनमस्तुलाः अस्तु कुनः दक्षिण ३ ॥ २८ ॥ उं अश्विनयनमस्तुलाः वायव्य
कुनः यक्षिम ३ ॥ २९ ॥ उं अश्विनयनमस्तुलाः ॐ अस्तु कुनः पूर्व ५ ॥ ३०

१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६	९७	९८	९९	१००
१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६	९७	९८	९९	१००

॥ यंदुसगयीति ॥

॥ सिंदुगामी ॥ दिग्मा

११	१०	६०	७३	१२	११	१०	११
१६	२१	३६	३०	७६	७०	७९	२६
७१	३१	१६	१९	२०	२१	२२	७२
७२	३१	११	१०	११	१२	१३	७३

कथा ॥ यद्वि
अनियधक अमन् यलग आय २५
अनिमस कथा देव लग आय ११
इयं क द वा
वक्र हान आय ६
वैद्य अमन आय

॥ यद्वि ॥
॥ यद्वि ॥
॥ यद्वि ॥

॥ यद्वि ॥ यद्वि ॥

॥ यद्वि ॥ यद्वि ॥

११	७१	११	१३	३१	११	१६	३४	१४	७९	२१	३३	१४	७१	११	११
१३	३१	११	१३	३४	१४	१३	१२	११	१०	७१	७०	७९	२६	७१	११
१६	३४	१४	१३	३४	१४	१३	१२	११	१०	७१	७०	७९	२६	७१	११
१३	३४	१४	१३	३४	१४	१३	१२	११	१०	७१	७०	७९	२६	७१	११

दवल गवमन्या
१३ २ ९ २१ ७७ १४
लगम वास ३४ २५
१३ १२ ११ १० ७१ ७०
१३ १२ ११ १० ७१ ७०
१३ १२ ११ १० ७१ ७०

॥ यद्वि ॥ यद्वि ॥

॥ यद्वि ॥ यद्वि ॥